जनवरी 2014 JAN.

वि.सं. 2070 पौष कृ.अमा.से माघ शु.1

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
चौथ व्रत - 19 एकादशी - 11 पुत्रदा, 27 षट्तिला प्रदोष - 13, 28 संक्रान्ति - 14 मकर	पंचक 04 जन. को 12-51 से 08 जन. को 20-50 तक 31 जन. को 23-49 से 4 फर. को 28-28 तक	स्टैंडर्ड टाइम ता. सूर्यउदय सूर्यअस्त 1 7:19 5:31 8 7:19 5:37 15 7:18 5:42 22 7:18 5:47 29 7:15 5:54	**1** पौषीमावस	**2** पौ.शु. एकम् चन्द्र दर्शन	**3** द्वितीया, तृती.क्षय:	**4** चतुर्थी
5 पंचमी	**6** षष्ठी	**7** सप्तमी गु.गोविन्द सिंह जं.(ना.)	**8** अन्नपूर्णाष्टमी शाकम्भरी यात्रा प्रारम्भ	**9** नवमी	**10** दशमी	**11** पुत्रदाएकादशी
12 द्वादशी	**13** त्रयोदशी लोहड़ी	**14** मकर संक्रान्ति बारावफात	**15** चतुर्दशी	**16** पौषी पूर्णिमा शाकम्भ.जं.,माघ स्ना.प्रा.	**17** मा.कृ. एकम्	**18** द्वितीया
19 तृतीया सौ.सुन्दरी व्र.,संकट ४	**20** चतुर्थी गणेश चौथ	**21** पंचमी	**22** षष्ठी	**23** सप्तमी नेताजी-विवेकानन्द जं.	**24** अष्टमी	**25** नवमी
26 दशमी 65 वाँ गणतन्त्र दिवस	**27** एकादशी	**28** द्वादशी भौम प्रदोष	**29** त्रयोदशी चतुर्दशी क्षय:	**30** मौनीमावस मेला प्रयाग राज	**31** मा. शु. एकम्	विवाह मुहूर्त्त तारिख 18, 20, 21, 22, 26, 27, 28, 31 दोष- धनु संक्रान्ति 14 तक

फरवरी 2014 FEB.

विसं. 2070 माघ शु. 2 से फा. कृ. 14

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
चौथ व्रत - 3 तिल,18 एकादशी - 10 जया, 25 विजया प्रदोष - 12, 27 संक्रान्ति - 12 कुम्भ	विवाह मुहूर्त्त तारिख 3, 4, 10, 14, 15, 17, 22, 24, 26, 27	पंचक 31 जन. को 23-49 से 4 फर. को 28-28 तक 28 फर. को 10-51 से 4 मार्च को 14-17 तक	स्टैंडर्ड टाइम ता. सूर्यउदय सूर्यअस्त 1 7:13 5:56 8 7:09 6:02 15 7:04 6:07 22 6:57 6:11 28 6:51 6:16			**1** मा. शु. द्वितीया चन्द्रदर्शन,बा.रामदेव बीज
2 तृतीया गौरी तृतीया गोंतरी	**3** तिल चतुर्थी अंगार-कुन्द ४ व्रत	**4** बसंत पंचमी श्री पंचमी, सरस्वती जयं.	**5** शीतला षष्ठी दरिद्रय हर.-मंदार ६	**6** विधान सप्तमी भानु-रथ-अरो.-अचला ७	**7** भीष्माष्टमी	**8** नवमी
9 दशमी	**10** एकादशी भैनीग्यारस बंगाल	**11** तिल द्वादशी भीष्म द्वादशी	**12** त्रयोदशी कल्पादि:तेरस,ललिता व्र.	**13** चतुर्दशी रामचर.स्ने.जं.,ललिता जं.	**14** माघी पूर्णिमा रविदास जं.,त्रि.भैरव जं.	**15** फा.कृ. एकम्
16 एकम्	**17** द्वितीया	**18** तृतीया गणेश चौथ व्रत	**19** चतुर्थी	**20** पंचमी महाकालेश्वर पूजा उज्जैन	**21** षष्ठी	**22** सप्तमी
23 अष्टमी	**24** नवमी क्षय: १० गु.रामदास९,मह.दयानन्द जं.	**25** एकादशी विजय ११ स्मार्त	**26** द्वादशी विजय ११ वैष्णव	**27** त्रयोदशी महाशिव रात्री,रूद्रभिषेक	**28** चतुर्दशी	

मार्च 2014 MAR.

वि.सं. 2070/71 फा.कृ.अमा.से चैत्र शु.1

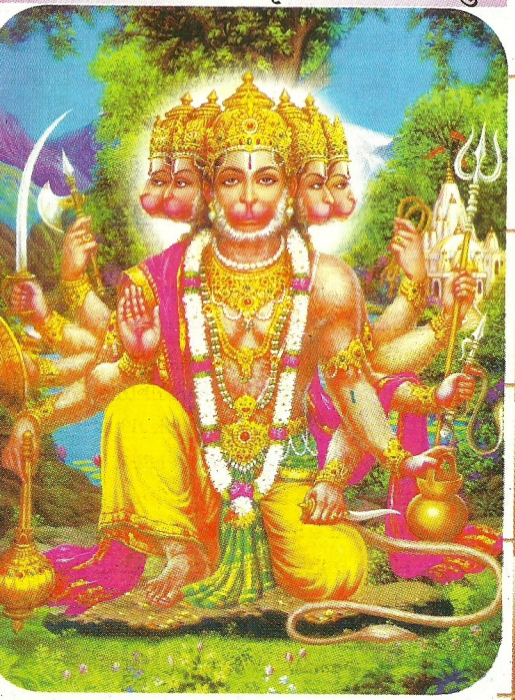

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30 चैतीमावस विक्र.संवत् 2070 पूर्ण	**31** चै.शु. एकम् सं.2071 प्रारम्भ,नवरात्रांम्भ	चौथ व्रत – २० एकादशी – 12 आमलकी, 27 पापमोचनी प्रदोष – 14, 28 संक्रान्ति – 14 मीन	पंचक 28 फर. को 10-51 से 4 मार्च को 14-17 तक 27 मार्च को 19-53 से 31 मार्च को 24-28 तक	स्टैंडर्ड टाइम ता. सूर्यउदय सूर्यअस्त 1 6:51 6:17 8 6:43 6:21 15 6:35 6:26 22 6:26 6:29 29 6:19 6:34	विवाह मुहूर्त्त तारिख 2, 3, 7, 8, 9 दोष- होलाष्टक 8 मार्च से 16 मार्च तक दोष- मीन संक्रान्ति 14 मार्च से 14 अप्रै.तक	**1** फा. अमावस शिव खप्पर पूजा
2 फा.शु.एकम् चन्द्र दर्शन	**3** ३ फुलेरा दूज क्षय: रामकृष्ण परमहंस जयंती	**4** चतुर्थी	**5** पंचमी यज्ञवल्क जयंती	**6** षष्ठी गोरूपणी षष्ठी (बंगा.)	**7** सप्तमी	**8** अष्टमी होलाष्टक प्रारम्भ
9 अष्टमी	**10** नवमी लठ्मार होली बरसाना	**11** दशमी लठ्मार होली नंदगांव	**12** रंगभरी एकादशी लठ्मार होली जन्म भूमी	**13** गोबिन्द द्वादशी मे.श्याम बाबा खाटू	**14** त्रयोदशी मे.नौचण्ड़ी प्रा.मेरठ,प्रदोष	**15** चतुर्दशी
16 पूर्णिमा होली का दहन	**17** चै.कृ. एकम् धुलैण्ड़ी	**18** द्वितीया सन्त तुकाराम जयंती	**19** तृतीया	**20** चतुर्थी	**21** रंग पंचमी	**22** एकनाथ षष्ठी विश्व जल दिवस
23 शीतला सप्तमी	**24** शीतलाष्टमी मे.नौचण्डी पू.,बासोड़ा	**25** नवमी	**26** दशमी	**27** एकादशी दशमाता व्र.,पाप मोचनी११	**28** १३ द्वादशी क्षय: रंगतेरस,दमनोत्सव:,प्रदोष	**29** चतुर्दशी

राशिफल जनवरी 2014

मेष:- कारोबार उन्नत रहें। श्वेत वस्तुओं के व्यापार से लाभ हो। आशाओं में सफलता मिले। सम्बन्धियों से सम्मान मिले। स्त्री से प्रेम बढ़े। शत्रुओं की ओर से चिन्ता व भय उत्पन्न हो।

वृष:- कार्य व्यवहार में आय कम तथा व्यय अधिक बने, धन बरबाद हो। सन्तान से सुख मिले। विचारो में उदारता बने। उदर व नेत्रों में विकार बने, बादी जन्य रोगों से शरीर को कष्ट हो।

मिथुन:- कारोबार सुस्त रहे, आय कम व्यय अधिक बना रहे। धन की हानि का डर है। राज दरबार में मान व ओहदा बढ़े, मित्रों से मिलाप हो, मन उत्साहित रहे, शत्रु कष्ट देने पर कटिबद्ध रहें।

कर्क:- कारोबार में आय कम तथा व्यय अधिक बना रहे। धन की चिन्ता भी बनी रहे। कठिनाइयों पर विजय हासिल हो। राज सभा से भय बने। मित्रों से बिगड़ हो शत्रुओं से हानि मिले नेत्र विकार से शरीर को कष्ट पहुचे। मन में चिन्ता बनी रहें।

सिहं:- व्यापार में उन्नति का समय है। सफेद वस्तुओं के व्यापार से विशेष लाभ हो। शत्रुओं पर विजय हासिल हो। किसी से झगड़ा या अपमान का सामना करना पड़े। पित्त - जन्य रोग से शरीर को कष्ट पहुचें। किसी दुर्घटना का सामना करना पडें।

कन्या:- कारोबार में आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे, धन की हानि हो। आशाओं मे सफलता व झगड़े में विजय मिले। हकिम से भय बना रहे। दूष्ट मित्रों के साथ बिगाड़ उत्पन्न हो।

तुला:- व्यवसाय में बाधा पड़े, धन का लाभ कम हो, धर्म-कर्म की वृद्धि हो। सम्बन्धियों तथा मित्रों से मतभेद बनें। सन्तान का सुख मिले। यात्रा से नुकसान हो, शरीर को कष्ट पहुंचे।

वृश्चिक:- कारोबार मध्यम रहे, आय तथा व्यय सम रहे। राज सभा में मान बढ़े, शत्रुओं का नाश हो। भाईयों से लाभ पहुंचे। परन्तु नेत्रों के विकार से शरीर को कष्ट पहुंचे।

धनु:- कारोबार में वृद्धि हो एवम् धन के लाभ के साथ- साथ खर्च अधिक रहे। मनोकामनायें पूर्ण हो। स्त्री की सहमति से हर कार्य में सफलता मिले। मन में आलस्य तथा क्रोध अधिक रहे।

मकर:- व्यवसाय उन्नत रहे, धन का लाभ अधिक हो, आय पर्याप्त रहे, अचल सम्पत्ति की वृद्धि हो। परिवार जनों के साथ सम्बन्ध अच्छे रहें। कोई प्रसन्नता का संदेश मिले, औहदा बढ़े।

कुम्भ:- सेवा के कार्यों में बाधायें उत्पन्न हों, एवं शंका उत्पन्न हो, कृषि के कार्यों में विशेष लाभ हो। आशाओं में सफलता उत्पन्न हो। धर्म के कार्यों में रूचि बढ़े। उदर व नेत्र विकार से शरीर को कष्ट हो।

मीन:- कारोबार में लाभ हो, किन्तु व्यय अधिक रहे। शत्रुओं पर विजय मिले। उदर व नेत्रों के विकार से मन चिन्तातुर रहे। भाई एवं मित्रों से बिगाड़ उत्पन्न हो। स्त्री का सुख कम प्राप्त हो।

राशिफल फरवरी 2014

मेष:- व्यापारिक कार्यों में धन की प्राप्ति हो, लाभ बराबर मिलता रहे। राज सभा में मान व पदोन्नति का योग है। मनोकामनायें पूर्ण हो,सुख- समृद्धि में बढ़ोतरी हो। दुग्ध वाले पशु से सुख मिले, पारिवारिक क्लेश से मन खिन्न रहे।

वृष:- कार्य -व्यवहार अति उत्तम रहे। श्वेत वस्तुओं के व्यापार से धन की प्राप्ति हो। राज सभा में मान व पदोन्नति झगड़े में विजय मिले, कठिनाइयां दूर हों। मित्रों से मिलाप तथा लाभ हो।

मिथुन:- व्यवसाय में निराशा हाथ लगे। व्यय की अधिकता बनी रहे, धन का नुकसान हो। राज सभा में नुकसान पहुचे। स्त्री की और से सुख मिलें, धर्म-कर्म की वृद्धि हो।

कर्क:- व्यवसाय में कुछ शिथिलता आवे, पर राज से रूका हुआ धन प्राप्त हो। जनता में सम्मान बढ़े। शत्रुओं से हानि पहुंचे। आशाओं में निराशा हाथ लगे। नेत्रों में विकार उत्पन्न हो।

सिंह:- कार्य व्यवहार में निराशा हाथ लगे, आय कम व व्यय अधिक रहे। राज दरबार में मान व ओहदा में बढ़ोत्तरी हो। संबंधियों की वृद्धि हो। शुभ कार्यों में सुरूचि बढ़े।

कन्या:- व्यापार में धन लाभ हो, आय पर्याप्त रहे, राज में मान व सम्मान मिले। हर कार्य में सफलता मिले। सम्पत्ति में कुछ कमी महसूस हो। स्त्री तथा भाईयों से बिगाड़ हो। पित सम्बन्धी रोगों से शरीर को कष्ट पहुंचे, किसी व्यक्ति से लड़ाई व झगड़ा हो।

तुला:- कारोबार उत्तम बने, धन का लाभ हो, राज दरबार में मान बढ़े, झगड़े में विजय मिले। मनोकामना पूर्ण हो, सत्संग में रूचि उत्पन्न हो, किसी प्रिय मित्र से मिलाप हो। सम्बन्धियों से बिगाड़ हो। दौड़- धूप अधिक रहे, शत्रुओं से भय बना रहे।

वृश्चिक:- कारोबार में उन्नति का योग है। धन की प्राप्ति हो। मित्रों से लाभ पहुचे। जनता में लोक प्रियता बढ़े। मान प्रतिष्ठा बढ़े। स्त्री एवम् सन्तान का सुख भी बराबर बना रहे।

धनु:- व्यवसाय में आय कम व व्यय अधिक रहे। धन की हानि हो, स्त्री से प्रेम बढ़े। सुख समृद्धि की वृद्धि हो। आशाओं में निराशा हाथ लगे, शत्रुओं में भय व क्लेश।

मकर:- कारोबार में आय कम व व्यय अधिक रहे। भाईयों से मिलाप रहे, शत्रुओं का नाश हो। परिवार से कोई हर्ष का संदेश प्राप्त हो। यात्रा में निराशा हाथ लगे, शत्रुओं से हानि पहुंचे।

कुम्भ:- कार्य व्यवहार सुस्त रहे, आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे। सम्पति की वृद्धि हो, मनोकामना पूर्ण हो। स्त्री व सन्तान से पारिवारिक विषय पर झगड़ा हो।

मीन:- व्यवसाय मध्यम रहे, आय तथा व्यय सम रहे मान प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी हो, आशाओं में सफलता मिले, शुभ कार्यों में विजय मिले, स्त्री का सुख, चोरी व अग्नि द्वारा हानि हो।

राशिफल मार्च 2014

मेष:- व्यवसाय मध्यम रहे आय तथा व्यय सम रहे। आशाओं में सफलता मिले। शत्रुओं का विनाश हो। भाईयों व मित्रों से बिगाड़ हो। माता - पिता से झगड़ा हो।

वृष:- कारोबार में प्रगति मिले, तथा अचल सम्पत्ति में वृद्धि हो, मित्रों से मिलाप बने, शत्रुओं का विनाश हो। आशाओं में सफलता हासिल हो, स्त्री का सुख मिले।

मिथुन:- कारोबार में आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे राजदरबार में मान बढ़े, पद में उन्नति हो। मित्रों से मिलाप हो, स्त्री का सुख मिले, मन में प्रसन्नता हासिल हो। नेत्र विकार एवम् पित्त जन्य रोगों से शरीर को कष्ट हो।

कर्क:- कारोबार मध्यम् रहे, आय तथा व्यय सम रहे। समाज में मान व पदोन्नति हो, झगड़े में विजय मिले शत्रु पराजित हो। मित्रों से मिलाप बढ़े। स्त्री का सुख बराबर मिले, शरीर को अराम मिले। माता पिता को कष्ट पहुंचे। मन शोकातुर रहे।

सिंह:- कारोबार में आय की अपेक्षा खर्चा अधिक बना रहेगा। किन्तु सफेद वस्तुओं के व्यापार से विशेष लाभ पहुंचे। मित्रों व भाईयों से मिलाप हो, जनता में मान सम्मान बढ़े। चौपाए जानवरों से लाभ हो, स्त्री व सन्तान का सुख मिले।

कन्या:- कारोबार में आय कम व व्यय अधिक रहे। धन की हानि हो। समाजा की ओर से मान व पद में उन्नति हो, यात्रा मे जाने से निराशा हाथ लगे। शत्रुओं से क्लेश उत्पन्न हो। नेत्र पीड़ा व पित्त जन्य रोगों द्वारा शरीर को कष्ट उत्पन्न हो।

तुला:- व्यवसाय की उन्नति हो, धन का लाभ हो, स्त्री एवम् सन्तान का लाभ हो। माता-पिता से बिगाड़ उत्पन्न हो, यात्रा में जाने से क्लेश उत्पन्न हो। उदर विकार व रक्त सम्बन्धी रोगों द्वारा कष्ट पहुचें। किसी से झगड़ा व अपमान का सामना करना पड़े।

वृश्चिक:- व्यापारिक कार्यों में धन का लाभ हो, किन्तु व्यय अधिक रहे। समाज व सभा में मान बढ़े, विचारों में उदारता बने, मित्रों से मिलाप बने, शत्रुओं का विनाश हो यात्रा व्यर्थ की रहे।

धनु:- कारोबार मध्यम रहे, आय तथा व्यय सम रहे। सफेद वस्तुओं का व्यापार लाभप्रद सिद्ध हो। शुभ कार्यों में रूचि अधिक रहे। स्त्री एवम् सन्तान का सुख मिले।

मकर:- व्यवसाय में धन लाभ हो, परन्तु खर्चा भी बराबर होता रहे। आशाओं में सफलता मिले, शत्रुओं को मात दें। यात्रा में लाभ हो, परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बनें।

कुम्भ:-कार्य व्यवहार मध्यम रहे, आय तथा व्यय सम रहे। झगड़ों में विजय मिले। मान प्रतिष्ठा में वृद्धि हो। मित्रों से बिगाड़ उत्पन्न हो। अफसर से भय लगे, शत्रुओं से हानि पहुचें।

मीन:- व्यवसाय में उन्नति का समाचार मिले। सफेद वस्तुओं के व्यापार से विशेष लाभ हो। कठिनाइयों पर विजय मिलें। चौपाए पशुओं का सुख मिले।

अप्रैल 2014 APR.

वि. सं. 2071 चैत्र शु. 2 से वैशा. शु. 1

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	चौथ व्रत – 18 एकादशी – 11 कामदा, 25 वरूथिनी प्रदोष – 12, 26 संक्रान्ति – 14 मेष	**1** चै.शु. द्वितीया श्रृंगार-सिंधारा,झुलेला.जं.	**2** गणगौर पूजा गौंत्री व्रत,मत्स्य जंयती	**3** चतुर्थी दमनक चतुर्थी	**4** नाग पंचमी हयव्रत,डोलोत्सव:कल्पादि:	**5** स्कंद षष्ठी
6 भानु सप्तमी	**7** दुर्गाष्टमी मे.मंसादेवी,नरीसेमरी,ससियो	**8** रामनवमी स.नारायण जं.,तारा जयं.	**9** दशमी धर्मराज दसमी	**10** दशमी	**11** एकादशी लक्ष्मी कान्त डोलोत्सव:	**12** द्वादशी हरी दमनोत्सव:
13 अंग त्रयोदशी श्री महावीर जं.,वैशाखी	**14** चतुर्दशी अम्बेडकर जयंती	**15** चैत्र पूर्णिमा हनुमान जं.,वैशा.स्ना.प्रा.	**16** वै.कृ. एकम्	**17** द्वितीया	**18** तृतीया गुडफ्राइडे	**19** चतुर्थी
20 पंचमी,षष्ठी क्षय: गुरू तेग बहादुर जन्म	**21** शीतलासप्तमी गुरू अर्जनदेव जयंती	**22** शीतलाष्टमी बुढ़ा बसोड़ा	**23** नवमी चण्डीका नवमी	**24** दशमी	**25** एकादशी वल्लभाचार्य जयंती	**26** द्वादशी प्रदोष
27 त्रयोदशी कुब्जिका जयंती	**28** चतुर्दशी	**29** अमावस	**30** वै.शु. एकम् देव दामोदर पुण्य	पंचक 23 अप्रै. को 26-32 से 28 अप्रै. को 09-26 तक	विवाह मुहूर्त तारिख 14, 19, 20, 21,22, 23 दोष- मीन संक्रान्ति 14 अप्रैल तक	स्टैंडर्ड टाइम ता. सूर्यउदय सूर्यअस्त 1 6:15 6:34 8 6:07 6:37 15 5:59 6:42 22 5:52 6:46 29 5:46 6:51

मई 2014 MAY

वि.सं. 2071 वैशा. शु. 2 से ज्ये. शु. 3

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
चौथ व्रत - 17 एकादशी - 10 मोहिनी, 24 अपरा प्रदोष - 12, 26 संक्रान्ति - 14 वृष	पंचक 21 मई को 07-45 से 25 मई को 16-16 तक	विवाह मुहूर्त्त तारिख 1, 2, 3, 7, 8 10, 12, 15, 17, 18, 19, 20, 21, 24, 25, 29, 30	स्टैंडर्ड टाइम ता. सूर्यउदय सूर्यअस्त 1 5:44 6:52 8 5:39 6:56 15 5:34 7:00 22 5:31 7:04 29 5:29 7:07	**1** वै. शु. द्वितीया परशुराम जं.,शिवाजी जयं.	**2** अक्षय तीज मातंगी जयंती	**3** चतुर्थी अंगार की चौथ
4 पंचमी आद्य शंकराचार्य जयंती	**5** षष्ठी रामानुजाचार्य जयंती	**6** गंगा सप्तमी	**7** अष्टमी श्री बगला मुखी जयंती	**8** जानकी नवमी रेडक्रास दिवस	**9** दशमी	**10** एकादशी
11 द्वादशी रूकमणी १२	**12** त्रयोदशी अशोक त्रिरात्रि व्रत	**13** चतुर्दशी नरसिंह जं.,छिन्नमस्ता जं.	**14** बुद्ध पूर्णिमा पीपल पूनों,कूर्म-चण्डिका जं.	**15** ज्ये.कृ. एकम्	**16** द्वितीया नारद जयंती	**17** तृतीया गणेश चौथ व्रत
18 चतुर्थी	**19** पंचमी	**20** षष्ठी	**21** सप्तमी अष्ट. क्षय: दादूदयाल पुण्य,कालाष्टमी	**22** नवमी गुरू अमरदास जयं.(ना.	**23** दशमी	**24** एकादशी अपरा ११
25 द्वादशी मधु सूदन १२	**26** त्रयोदशी शब्बे मिराज, प्रदोष	**27** चतुर्दशी	**28** भावुकामावस शनि जयं.,वट् सावि.व्रत	**29** ज्ये.शु. एकम् दशारमेघ घाट स्नानारंभ	**30** द्वितीया कुमार डे, चन्द्र दर्शन	**31** तृतीया महाराणा प्रताप जयंती

जून 2014 JUN.

वि.सं. 2071 ज्ये. शु. 4 से आषा. शु. 3

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1 ज्ये.शु. चतुर्थी उमा चतुर्थी	**2** चतुर्थी	**3** पंचमी	**4** अरण्ड षष्ठी विंध्यावासिनी पूजन	**5** सप्तमी विश्व पर्यावरण दिवस	**6** दुर्गाष्टमी धूमावती जयंती	**7** नवमी महेश्वरी जं.,महेश ९
8 गंगा दशहरा बटुक भैरव जयंती	**9** निर्जला एकादशी भीम सैनी११,गायत्री जं.	**10** द्वादशी मेला खाटु श्याम जी	**11** त्रयोदशी	**12** चतुर्दशी	**13** पूर्णिमा संत कबीर जं.,शब्बेरात	**14** आ.कृ.एकम् द्वि.क्षय:
15 तृतीया मिथुन संक्रान्ति पुण्य	**16** चतुर्थी गणेश चौथ	**17** पंचमी फार्दस डे	**18** षष्ठी रानी लक्ष्मीबाई बलिदान	**19** सप्तमी	**20** अष्टमी कालाष्टमी	**21** नवमी
22 दशमी	**23** एकादशी योगनी	**24** द्वादशी प्रदोष	**25** त्रयोदशी	**26** चतुर्दशी	**27** अमावस	**28** आ.शु.एकम् चन्द्र दर्शन
29 द्वितीया जगन्नाथ या.पुरी,रोजे शुरू	**30** तृतीया	चौथ व्रत - 16 एकादशी - 9 निर्जला, 24 योगिनी प्रदोष - 10, 24 संक्रान्ति - 15 मिथुन	पंचक 17 जून को 14-09 से 21 जून को 21-46 तक	विवाह मुहूर्त्त तारिख 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 16, 17, 20, 21.	स्टैंडर्ड टाइम ता. सूर्यउदय सूर्यअस्त 1 5:28 7:09 8 5:28 7:13 15 5:27 7:15 22 5:28 7:17 29 5:31 7:18	

राशिफल अप्रैल 2014

मेष:- कारोबार में धन का लाभ हो , परन्तु खर्चा अधिक बना रहे। राज सभा में मान एवम् पद की वृद्धि हो, चौपाए जानवर का सुख मिलें। शत्रुओं की तरफ से चिन्ता बने।

वृष:- कारोबार की उन्नति हो, श्वेत वस्तुओं के व्यापार से लाभ हो, राजदरबार में मान व अहोदा में बढ़ोत्तरी हो। आशाओं में सफलता मिले। शत्रुओं का नाश हो।

मिथुन:- यवसाय में आय कम तथा व्यय अधिक रहे। धन की हानि हो, जनसभा से लाभ पहुचे, यात्रा करनी पड़े। मित्रों से प्रसन्नता मिलें। शत्रुओं से भय व कलेश उत्पन्न हो।

कर्क:- व्यवसाय उन्नति की ओर अग्रसर रहें, धन का लाभ हो, खर्च भी अधिक बना रहे। मनोकामनाए पूर्ण हों, धर्म की वृद्धि हो, चोरी व अग्नि द्वारा नुकसान का डर बनें।

सिंह:- कार्य व्यवहार में सफेद वस्तुओं के व्यापार से लाभ पहुचे। राजदरबार में सम्मान बढ़े। शत्रु पराजित हो, यात्रा करनी पड़े। धार्मिक कार्यों में मन खिन्न हो, सम्बन्धियों से आराम, उदर व नेत्र के विकार से शरीर को कष्ट पहुचे।

कन्या:- व्यापार में उन्नति हो, धन में बढ़ोत्तरी हो, यात्रा में जाने से लाभ व प्रसन्नता प्राप्त हो। इष्ट मित्रों से बिगाड़ उत्पन्न हो। शत्रु जोर पकड़े व नुकसान भी हो। अग्नि एवम् चोरी से हानि पहुचे। शरीर रोग ग्रस्त व मन भयभीत बना रहे।

तुला:- कारोबार मध्यम रहे, आय तथा व्यय सम रहे। राजदरबार में सफलता मिले। झगड़ों में विजय हासिल हो। मनोकामनाएं पूर्ण हों। शुभ कार्यों में रूचि बढ़े। स्त्री तथा सन्तान से विवाद हो। भाईयों से बिगाड़ उत्पन्न हो।

वृश्चिक:- कार्य व्यवहार में निराशा, आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे। सम्पत्ति की वृद्धि हो, चौपाए पशुओं का आराम रहे। स्त्री का सुख मिले। शत्रुओं की ओर से चिन्ता, अफसर से भय बने। बुद्धि मलीन रहे। शुभ कार्यों में विध्न पड़े।

धनु:- व्यवसाय उत्तम रहे, धन की बढ़ोत्तरी हो, परन्तु व्यय भी अधिक बना रहे, आशाओं में सफलता मिले। परिवार में वृद्धि हो, उदर विकार व नेत्रों के विकार से पीड़ा हो।

मकर:- कारोबार में धन का लाभ हो, और अचल सम्पत्ति में भी वृद्धि हो। यात्रा करनी पड़े। धार्मिक कार्यों से मन में शान्ति बने, कोई बिगड़ा हुआ कार्य बन जावे।

कुम्भ:- कार्य - व्यवहार की वृद्धि हो, धन लाभ के साथ - 2 खर्चा भी अधिक रहे। राज दरबार में सम्मान बढ़े, झगड़े में विजय मिले, आशाओं में सफलता मिले। शत्रुओं की ओर से हानि पहुचे।

मीन:- कारोबार में आय कम व व्यय अधिक रहे, धन की हानि हो, लोगों में सम्मान मिले, सन्तान का सुख मिले अफसर से भय बने, शत्रुओं से क्लेश उत्पन्न हो, मित्रों से बिगाड़ उत्पन्न हो, शरीर अस्वस्थ्य रहे।

राशिफल मई 2014

मेष:- व्यवसाय की उन्नति हो। धन का लाभ हो। मनोकामनायें पूर्ण हो, शत्रुओं से भय उत्पन्न हो, किन्तु वे पराजित रहें। भाईयों व मित्रों से क्लेश उत्पन्न हो, रोगों द्वारा शरीर को कष्ट पहुचें।

वृष:- व्यापारिक कार्यों में उन्नति का योग है। कृषि द्वारा लाभ हो, आशाओं में सफलता मिले, धर्म-कर्म की वृद्धि हो, शत्रुओं का नाश हो। झगड़े में विजय हासिल हो, मित्रों व निकट वालों से बिगाड़ उत्पन्न हो, यात्रा में क्लेश उत्पन्न हो।

मिथुन:- सेवा के कार्यों में बाधा व शंका उत्पन्न हो, धन की हानि हो। शरीर को सुख मिले, सम्बन्धियों से मत भेद बने, किन्हीं कार्यों में विध्न बाधा उत्पन्न हो, कफ जन्य रोगों द्वारा शरीर को कष्ट पहुचें। सन्तान भी रोग ग्रस्त रहे, मन में भय बने।

कर्क:- कारोबार में लाभ हो, परन्तु आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे। स्त्री से प्रेम बढ़े, यात्रा करनी पड़े, सुख समृद्धि की वृद्धि हो। आशाओं में निराशा हाथ लगे। हर कार्य में बाधा पड़े।

सिंह:- कार्य- व्यवहार में लाभ हो, परन्तु व्यय भी कुछ अधिक ही बना रहे। पद में उन्नति हो, मनोकामनाएँ पूर्ण हो, मित्रों एवम् परिवार जनों से प्रसन्नता प्राप्त हो। स्त्री की सहमति से लाभ हो।

कन्या:- व्यवसाय उन्नत रहे, धनकी प्राप्ति हो। राज सभा में मान व आशाओं में सफलता प्राप्त हो। सम्पति की वृद्धि हो, शत्रु से समझौता करना पड़े। भाईयों से लाभ हो, स्त्री से रूष्टता बनी रहे।

तुला:- व्यवसाय में सफेद वस्तुओं के व्यापार से लाभ पहुचें। लोगों में सम्मान बढ़े, सवारी का आराम मिले, सन्तान का सुख प्राप्त हो। भ्रमण करने की इच्छा उत्पन्न हो, राज सभा से भय बने।

वृश्चिक:- व्यापार में प्रगति हो, धन का लाभ हो, राज दरबार में सम्मान व पद की उन्नति प्राप्त हो, आशाओं में सफलता प्राप्त हो, शत्रुओं का नाश हो। चौपाए पशु से सुख मिले रिश्तेदारों से आराम मिले। किसी से लड़ाई झगड़ा बने।

धनु:- कारोबार में उन्नति हो, धन का लाभ हो, राज दरबार में सम्मान प्राप्त हो, आशाओं में सफलता प्राप्त हो, धर्म कर्म की वृद्धि हो, सन्तान का सुख मिले, शत्रुओं की तरफ से चिन्ता बने।

मकर:- कारोबार में आय कम तथा व्यय अधिक रहे। मित्रों से मिलाप हो। शत्रुओं की तरफ से सावधान रहने में ही भला है। परिवार में विवाद रहे, कफ जन्य रोगों से शरीर को कष्ट रहे।

कुम्भ:- व्यापार में उन्नति हो, धन का लाभ हो, राज सभा में मान व ओहदा बढ़े, मित्रों से मिलाप हो, स्त्री का सुख मिले। यात्रा करनी पड़े, मुख विकार एवम् सिर पीड़ा से शरीर को कष्ट।

मीन:- व्यवसाय में लाभ हो, किन्तु व्यय अधिक रहे, राजदरबार में धन की प्राप्ति एवम् पद की वृद्धि हो, आशाओं में सफलता , स्त्री का सुख मिले, शत्रुओं से हानि हो, चोरी एवम् अग्नि द्वारा नुकसान का डर बने।

राशिफल जून 2014

मेष:- कारोबार में मध्यम रहे, आय तथा व्यय सम रहे आशाओं में सफलता मिले, मान द्वारा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो, शुभ कार्यों में विजय प्राप्त हो, यात्रा करनी पड़े। शत्रुओं से क्लेश उत्पन्न हो।

वृष:- कार्य व्यवहार मध्यम रहे, आय- व्यय सम रहे, धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़े व धन खर्च हो। स्त्री का सुख , हर कार्यों में सफलता प्राप्त हो। मित्रों से लाभ मिले, शत्रुओं से भय उत्पन्न हो, दौड़ धूप अधिक बनी रहे। चोट के द्वारा शरीर को कष्ट पहुचें।

मिथुन:- कारोबार में बाधा पड़े, धन का लाभ मध्यम रहे, राजदरबार में मान बढ़े। मनोकामना पूर्ण हो, शत्रुओं का नाश हो, सन्तान का सुख मिले, धर्म कार्यों में रूचि बढ़े।

कर्क:- व्यवसाय मध्यम् रहे, आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे, धन की क्षति हो। जनता में लोकप्रियता हासिल हो सवारी का आराम, स्त्री एवम् सन्तान का सुख मिले, मन को प्रसन्नता हो।

सिंह :- कार्य व्यवहार अति उत्तम बना रहे, धन का लाभ हो। भाईयों से मिलाप बढ़े, सम्बन्धियों से कोई हर्ष का सदेंश मिले। राजदरबार में भय बने, शत्रु दब जावें, यात्रा में निराशा हाथ लगे, धार्मिक कार्यों में मन खूब लगे। सन्तान का सुख कम प्राप्त हो।

कन्या:- कारोबार मध्यम् रहे, आय- व्यय सम रहे, सम्पत्ति की वृद्धि हो,शत्रु हावी रहें, शत्रु की हाँ में हाँ करनी पड़े। किसी मित्र के मिलाप से प्रसन्नता हासिल हो, कोई हर्ष का संदेश मिले।

तुला:- कारोबार में धन का लाभ हो किन्तु व्यय अधिक रहे, राज दरबार में मान बढ़े। शत्रु उत्पन्न हो जावें, परन्तु पराजित रहें। भाईयों से मतभेद ज्यादा तूल पकड़ जावे।

वृश्चिक:-व्यापार की उन्नति व धन की बढ़ोत्तरी का योग है। यात्रा में जाने से लाभ पहुचे। स्त्री एवम् सन्तान का सुख प्राप्त हो। मन को प्रसन्नता मिले। माता-पिता से विवाद हो, मित्रों से विवाद उत्पन्न हो, सिर पीड़ा बनी रहे।

धनु:-व्यवसाय मध्यम्, आय तथा व्यय सम रहे। शत्रुओं का विनाश हो, भाईयों द्वारा उत्पन्न हो, परिवार की ओर से क्लेश उत्पन्न हो। उदर विकार से कष्ट, स्त्री एवम् सन्तान रोग ग्रस्त रहें।

मकर:-व्यवसाय में सफेद वस्तुओं के व्यापार से धन की प्राप्ति हो, परन्तु व्यय भी अधिक बना रहें। राज सभा में मान व पदोन्नति हो, शत्रु पराजित हो जावें, मित्रों से प्रसन्नता प्राप्त हो, चौपाए पशु से आराम मिले।

कुम्भ:-कार्य- व्यवहार में उन्नति प्राप्त हो परन्तु आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे। भाईयों से मिलाप हो। शत्रुओं का नाश हो। रक्त विकार व पित्त जन्य रोगों द्वारा शरीर को कष्ट पहुचें।

मीन:-कारोबार मध्यम रहे, आय तथा व्यय सम रहे, मनोकामनायें पूर्ण हो, झगड़े में विजय प्राप्त हो, पद की वृद्धि हो, शत्रु पराजित रहे। मित्रों से बिगाड़ उत्पन्न हो, रोग द्वारा शरीर को कष्ट पहुचे।

अगस्त 2014 AUG.

वि.सं. 2071 श्राव. शु.5 से भाद्र. शु.6

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31 षष्ठी ललिता-बलदेव षष्ठी	चौथ व्रत - 13,29 पत्थर एकादशी - 7 पवित्रा, 12 अजा प्रदोष - 8, 22 संक्रान्ति - 16 सिंह	पंचक 11 अग. को 09-06 से 15 अग. को 11-09 तक	विवाह मुहू.ता.अन्य प्र. 9, 10, 13, 19,20, 28. दोष - गुरू अस्त 6 अग. तक	स्टैंडर्ड टाइम ता. सूर्यउदय सूर्यअस्त 1 5:46 7:08 8 5:50 7:03 15 5:54 6:57 22 5:57 6:49 29 6:01 6:42	**1** श्रा.शु.पंचमी अमरनाथ या.प्रा.,नाग५	**2** षष्ठी कल्कि जयंती
3 शीतला सप्तमी तुलसीदास जं.,	**4** अष्टमी मे.नैना देवी-चिन्तपूर्णी	**5** नवमी फ्रेंडशिप डे	**6** दशमी शान्ति दिवस	**7** एकादशी पवित्रा	**8** द्वादशी रक्षा बंधन व्र.प्रा.,प्रदोष	**9** त्रयोदशी १४ क्षयः भा.क्रान्ति दि.,हयग्रीव जं.
10 पूर्णिमा रक्षा बंधन,सलूना पूजा	**11** भा.कृ.एकम्	**12** द्वितीया	**13** कजली तृतीया चौथ व्रत,बूढ़ी-सातु ३	**14** चतुर्थी बहुला-भद्री-संकट ४	**15** पंचमी 68 वाँ स्वतन्त्रता दिवस	**16** षष्ठी ललही-कपिला ६
17 सप्तमी जन्माष्टमी	**18** अष्टमी श्री कृष्ण जन्माष्टमी वैष्ण.	**19** नवमी गोग्गा नवमी,नन्दोत्सवः	**20** दशमी	**21** एकादशी अजा	**22** अघोर द्वादशी गोवत्स पूजा,ओक द्वाद.	**23** त्रयोदशी
24 चतुर्दशी .अघोर चतुर्दशी	**25** पिठौरीमावस कुशाग्रहणी मावस	**26** भा.शु.एकम्	**27** द्वितीया बूढ़ा बाबु २,चन्द्र दर्शन	**28** तृतीया हरतालिका तीज	**29** पत्थर चौथ सिद्धि विनायक व्रत	**30** पंचमी ऋषि पंचमी

सितम्बर 2014 SEP.

SUN MON TUE WED THU FRI SAT

अगस्त 2014 AUG.

वि.सं. 2071 श्राव. शु.5 से भाद्र. शु.6

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31 षष्ठी ललिता-बलदेव षष्ठी	चौथ व्रत - 13,29 पत्थर एकादशी - 7 पवित्रा, 12 अजा प्रदोष - 8, 22 संक्रान्ति - 16 सिंह	पंचक 11 अग. को 09-06 से 15 अग. को 11-09 तक	विवाह मुहू.ता.अन्य प्र. 9, 10, 13, 19,20, 28. दोष - गुरू अस्त 6 अग. तक	स्टैंडर्ड टाइम ता. सूर्यउदय सूर्यअस्त 1 5:46 7:08 8 5:50 7:03 15 5:54 6:57 22 5:57 6:49 29 6:01 6:42	**1** श्रा.शु.पंचमी अमरनाथ या.प्रा.,नाग५	**2** षष्ठी कल्कि जयंती
3 शीतला सप्तमी तुलसीदास जं.,	**4** अष्टमी मे.नैना देवी-चिन्तपूर्णी	**5** नवमी फ्रेंडशिप डे	**6** दशमी शान्ति दिवस	**7** एकादशी पवित्रा	**8** द्वादशी रक्षा बंधन व्र.प्रा.,प्रदोष	**9** १४ त्रयोदशी क्षय: भा.क्रान्ति दि.,हयग्रीव जं.
10 पूर्णिमा रक्षा बंधन,सलूना पूजा	**11** भा.कृ.एकम्	**12** द्वितीया	**13** कज्जली तृतीया चौथ व्रत,बूढ़ी सातु ३	**14** चतुर्थी बहुला-भद्री-संकट ४	**15** पंचमी 68 वाँ स्वतन्त्रता दिवस	**16** षष्ठी ललही कपिला ६
17 सप्तमी जन्माष्टमी	**18** अष्टमी श्री कृष्ण जन्माष्टमी वैष्ण.	**19** नवमी गोग्गा नवमी,नन्दोत्सव:	**20** दशमी	**21** एकादशी अजा	**22** अघोर द्वादशी गोवत्स पूजा,ओक द्वाद.	**23** त्रयोदशी
24 चतुर्दशी अघोर चतुर्दशी	**25** पिठौरीमावस कुशाग्रहणी मावस	**26** भा.शु.एकम्	**27** द्वितीया बूढ़ा बाबु २,चन्द्र दर्शन	**28** तृतीया हरतालिका तीज	**29** पत्थर चौथ सिद्धि विनायक व्रत	**30** पंचमी ऋषि पंचमी

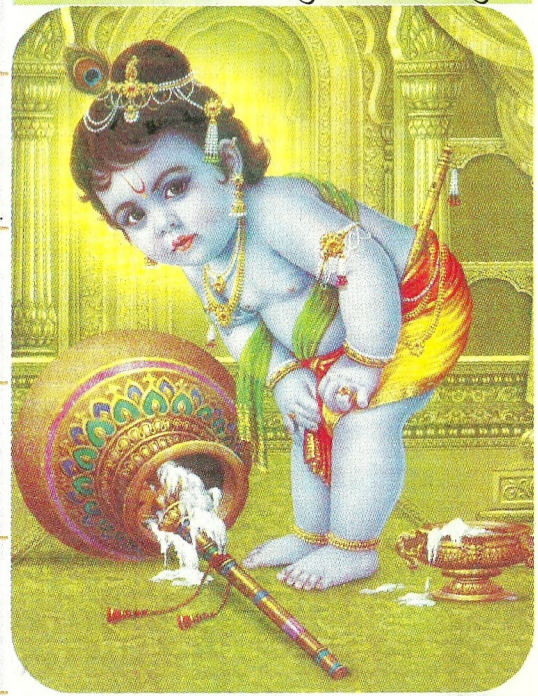

बाद में सास ने दासी के हाथ बची खुची

सितम्बर 2014 SEP.

वि.सं. 2071 भाद्र. शु. 7 से आश्वि. शु. 6

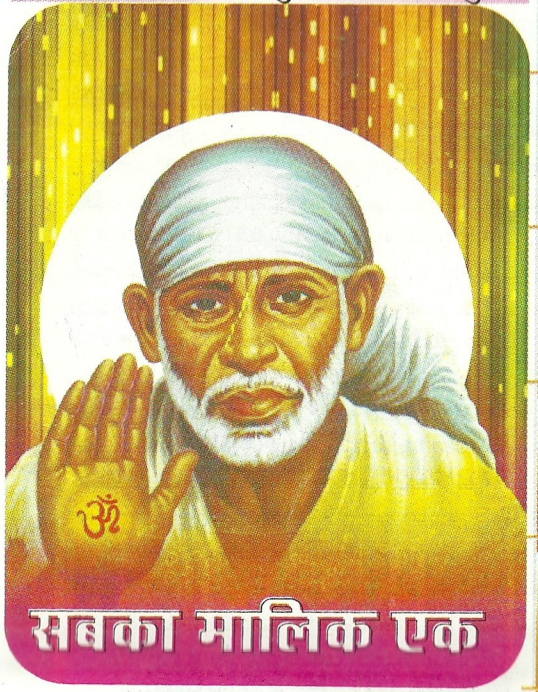

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
चौथ व्रत - 12 एकादशी -5 जलझुलनी, 19 इन्द्रा प्रदोष - 6, 21 संक्रान्ति - 16 कन्या	**1** भा.शु. सप्तमी दूबड़ी सातें,संतान सप्तमी	**2** राधाष्टमी ऋषी दधीची जयंती	**3** नवमी श्री चन्द्र-अदुख-नंदा ९	**4** दशमी नवल दुर्गे,मेला रामदेव	**5** एकादशी पद्मा ११,शिक्षक दिवस	**6** कांजीद्वादशी वामन जं.,प्रदोष,श्रवण १२
7 त्रयोदशी गोत्रिरात्र व्रत	**8** अनन्त चौदस कदली व्र.,पूर्णिमा श्राद्ध	**9** पूर्णिमा पड़वा श्राद्ध	**10** आ.कृ.द्वितीया द्वितीया श्राद्ध	**11** तृतीया तृतीया श्राद्ध	**12** चतुर्थी गणेश ४,चतुर्थी श्राद्ध	**13** पंचमी पंचमी श्राद्ध
14 षष्ठी षष्ठी श्राद्ध,कपिल षष्ठी	**15** सप्तमी ७ श्राद्ध,जीवित्पुत्रि.श्राद्ध	**16** अष्टमी ८ श्राद्ध,अशोका-कालाष्टमी	**17** मातृनवमी ९श्राद्ध,विश्वकर्मा पूजा	**18** दशमी दसमी श्राद्ध	**19** एकादशी इन्द्रा ११,एकादशी श्राद्ध	**20** द्वादशी द्वादशी श्राद्ध
21 त्रयोदशी त्रयोदशी श्राद्ध	**22** त्रयोदशी चतुर्दशी श्राद्ध	**23** चतुर्दशी १४ श्राद्ध,पित्तर विसर्जन	**24** श्राद्धीमावस पितामह श्राद्ध	**25** आ.शु.एकम् अग्रसेन जयंती,नवरात्रे	**26** द्वितीया	**27** सिंदूर तृतीया शिरडी साई अवतरण
28 माना चतुर्थी शहीद भगतसिंह जयंती	**29** पंचमी उपांग ललिता पंचमी	**30** षष्ठी बैंक अर्धवार्षिक लेखा.	महालक्ष्मी व्रत 2 से 15 भागवत् सप्ताह 3 से 9	दोष श्राद्ध- 8 से 24 सितम्बर तक शुक्र तारा अस्त 27 सितम्बर से 24 नवम्बर तक	पंचक 07 सित. को 19-51 से 11 सित. को 20-46 तक	स्टैंडर्ड टाइम ता. सूर्योदय सूर्यअस्त 1 6:03 6:40 8 6:06 6:31 15 6:10 6:23 22 6:13 6:14 29 6:17 6:06

राशिफल जुलाई 2014

मेष:- व्यवसाय मध्यम रहे, आय तथा व्यय सम रहे। पद की उन्नति , कठिनाइयों पर विजय मिले, स्त्री का सुख मिले, धार्मिक कार्यों में मन लगे। शत्रुओं से हानि हो।

वृष:- कार्य-व्यवहार में निराशा हाथ लगे, आय कम तथा खर्च अधिक बना रहे। सम्पत्ति की वृद्धि हो। शत्रुओं की तरफ से चिन्ता बने। शुभ कार्यों में बाधा पड़े, किसी से झगड़ा हो।

मिथुन:- कारोबार में लाभ हो, परन्तु व्यय भी कुछ अधिक ही बना रहे। समाज में मान बढ़े, शत्रुओं पर विजय मिले, शुभ कार्यों में प्रेम बढ़े, मन में प्रसन्नता रहे। रोगों द्वारा शरीर को कष्ट हो।

कर्क:-कारोबार में सफेद वस्तुओं के व्यापार से लाभ हो, मनोकामना पूर्ण हो, राजसभा से भी लाभ पहुंचे, मित्रों से मिलाप हो, शत्रु पराजित रहे। स्त्री एवम् सन्तान का सुख मिले।

सिहं:-व्यापार की उन्नति हो और धन का लाभ हो। राज दरबार में सम्मान प्राप्त हो, विचारों में श्रेष्ठता आवे। यात्रा व्यर्थ ही रहे, रिश्तेदारों, मित्रों से मन में मुटाव रहे। शुभ कार्यों में बाधा आवे, नेत्र विकार एवम् पित्त जन्य रोगों द्वारा शरीर को कष्ट पहुचे।

कन्या:-कारोबार मध्यम् रहे, आय की अपेक्षा व्यय सम रहे। समाज में सम्मान व ओहदा बढ़े। स्त्री का सुख मिले, शत्रुओं से हानि पहुचे, चोरी तथा अग्नि द्वारा भय बने। कोई संकट पड़े।

तुला:-व्यवसाय उत्तम रहे, धन का लाभ हो, सम्पत्ति की वृद्धि हो, शत्रुओं को नाश हो, स्त्री का सुख मिले। आशाओं में निराशा उत्पन्न हो, हर कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पडे, रक्त विकार तथा कफ जन्य रोगों से कष्ट पहुचें।

वृश्चिक:- कार्य- व्यवहार की उन्नति हो, धन की प्राप्ति हो, शत्रुओं का नाश हो, झगड़ों में विजय हासिल हो। स्त्री का सुख प्राप्त हो, भोजन एवम् वस्त्रादि की व्यवस्था सन्तोष जनक रहे।

धनु:- कारोबार में आय कम तथा व्यय अधिक रहे, धन की चिन्ता बनी रहे। शुभ कार्यों में चिन्ता बने परिवार में मतभेद उत्पन्न हो, शत्रुओं की तरफ से क्लेश व भय बना रहे।

मकर:- कारोबार मध्यम् रहे, आय व्यय सम रहे, कृषि के कारोबार से लाभ हो। मनोकामना पूर्ण हो, शत्रुओं का नाश हो, किसी चोट अथवा घाव के कारण शरीर से रक्त निकले ।

कुम्भ:-कार्य व्यवहार में आय कम तथा व्यय अधिक रहें, धन का नुकसान हो, आशाओं में सफलता मिले। स्त्री का सुख प्राप्त हो, शत्रुओं का विनाश हो। धार्मिक कार्यों में मन लगे ।

मीन:- व्यवसाय उत्तम रहे, धन की वृद्धि हो, आशाओं में सफलता मिले, स्त्री एवम् सन्तान का सुख बराबर मिले। परिवार में आपस में कहासुनी हो, शत्रुओं की तरफ से ग्रस्त रहे।

राशिफल अगस्त 2014

मेष:- कारोबार में धन लाभ हो, आय पर्याप्त रहे, समाज में पद की वृद्धि हो, आशाओं में सफलता मिले, शत्रुओं का नाश हो, जनता में लोक प्रियता प्राप्त हो। मन उत्साहित रहे।

वृष:- कार्य व्यवहार में लाभ प्राप्त हो, परन्तु आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे। समाज में सम्मान मिले, झगड़े में सफलता मिले, शत्रु उत्पन्न हों , किन्तु पराजित रहें। मित्रों के साथ बिगाड़

मिथुन:- व्यवसाय उन्नत रहे, धन लाभ हो, व्यय अधिक रहे, शत्रुओं से भय उत्पन्न हो। उदर एवम् नेत्रों में विकार हो, रक्त सम्बन्ध रोगों से शरीर को कष्ट पहुचे। सन्तान का सुख कम हो।

कर्क:-व्यवसाय उन्नत रहे, धन की प्राप्ति हो, राज दरबार में सम्मान व पद की वृद्धि हो। झगड़े में विजय मिले। आशाओं में सफलता मिले, सम्बन्धियों की ओर से प्रेम भाव, शत्रुओं से हानि पहुचे। रक्त विकार व पित्त जन्य रोगों से शरीर को कष्ट पहुचे।

सिहं:- कार्य व्यवहार मध्यम रहे, आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे, झगड़े में सफलता मिले, मान प्रतिष्ठा एवम् ओहदो में बढ़ोत्तरी हो, शत्रुओं से हानि पहुचे। अफसर की ओर से चिन्ता बढ़े। सिर पीड़ा एवम् रोगों से कष्ट हो। कोई कार्य बिगाड़ जावे।

कन्या:-व्यवसाय उन्नत रहे, धन का लाभ हो परन्तु खर्च भी अधिक रहे। आशाओं में सफलता प्राप्त हो, हाकिम से सम्मान मिले, यात्रा करनी पड़े, जन सभा से भय मिले।

तुला:-कारोबार में धन की प्राप्ति हो परन्तु व्यय भी अधिक रहे। भाईयों व मित्रों से लाभ पहुंचे, समाज एवम् शत्रुओं की ओर से भय बने, चोरी व अग्नि द्वारा हानि पहुंचे।

वृश्चिक:- कार्य-व्यवहार की वृद्धि हो, धन का लाभ हो, आशाओं में सफलता मिले, जनता में सम्मान की वृद्धि हो, शत्रुओं पर विजय मिले। शरीर रोग ग्रस्त रहे।

धनु:- कारोबार उन्नति की तरफ अग्रसर रहे। धन का लाभ बराबर मिलेगा। भाईयों तथा मित्रों के साथ मिलाप होगा। शत्रुओं का विनाश होगा। कोई हर्ष का सन्देश मिलेगा।

मकर:- व्यवसाय में आय की अपेक्षा खर्चा अधिक रहे, लाभ भी कम हो। परिवार में वृद्धि हो, मान व प्रतिष्ठा बढ़े, आशाओं में सफलता मिले। इष्ट मित्रों के साथ बिगाड़ हो।

कुम्भ:-कारोबार साधारण रहे, व्यय अधिक रहे। पद की उन्नति हो, इष्ट मित्रों से प्रसन्नता प्राप्त हो। शत्रुओं के तरफ से भय उत्पन्न हो। मुख एवम् नेत्र के विकार से शरीर को कष्ट हो।

मीन:- कारोबार साधारण रहे, व्यय अधिक रहे। पद की उन्नति हो, इष्ट मित्रों से प्रसन्नता प्राप्त हो। शत्रुओं की तरफ से भय उत्पन्न हो। मुख एवम् नेत्र के विकार से शरीर को कष्ट हो।

राशिफल सितम्बर 2014

मेष:- कारोबार मध्यम रहे। आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे, मित्रों से मिलाप हो, शत्रुओं से हानि हो, गोष्ठी व सभा से त्रास हो, चोरी व अग्नि द्वारा मन को भय उत्पन्न हो।

वृष:- कार्य- व्यवहार रहे। सफेद वस्तुओं के व्यापार से लाभ हो। यात्रा करनी पड़े। इष्ट मित्रों एवम् परिवार से बिगाड़ हो, शत्रुओं से क्लेश उत्पन्न हो। स्वास्थ्य में नरमी रहें।

मिथुन:- कारोबार में उन्नति हो परन्तु खर्चा अधिक बना रहें। राज में मान प्रतिष्ठा में वृद्धि हो, जनता में लोक प्रियता हासिल हो। शत्रुओं का नाश हो। चौपाए जानवर से आराम मिले।

कर्क:-कारोबार में लाभ हो किन्तु आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे। राजदरबार में सफलता मिले, शत्रु पराजित रहे, यात्रा करनी पडे, बुद्धि मलीन रहे। धर्म के कार्यों से विमुखता बने।

सिहं:-कार्य व्यवहार में उन्नति हो, सफेद वस्तुओं के व्यापार से लाभ हो, राज सभा में मान की व पद की वृद्धि हो आशाओं में सफलता मिले। सम्बन्धियों से आराम मिले।

कन्या:- व्यवसाय उन्नत रहे, धन का लाभ हो, राजदरबार में सम्मान मिले। आशाओं में सफलता मिले, शत्रु पराजित हो, मित्रों से प्रसन्नता प्राप्त हो, धार्मिक कार्यों में वृद्धि हो।

तुला:-व्यवसाय उत्तम रहे, धन की वृद्धि हो, किन्तु व्यय भी अधिक बना रहे। राज सभा से लाभ पहुंचे। आशाओं में सफलता मिले, परिवार में आपसी अनबन चले। मन में चिन्ता बनी रहे, मुख एवम् नेत्रों के विकार से कष्ट पहुंचे। यात्रा करनी पड़े।

वृश्चिक:- कार्य व्यवहार में निराशा हाथ लगे, धन का लाभ मध्यम हो। राज सभा में मान व पदोन्नति प्राप्त हो, शत्रु पराजित हो, झगड़े में सफलता मिले। जनता में लोक प्रियता हासिल हो। सन्तान का सुख मिले, धर्म कर्म की वृद्धि हो।

धनु:- कारोबार उन्नत रहे, धन का लाभ हो, आय पर्याप्त रहे। राज दरबार में सम्मान मिले। सन्तान की तरफ से सुख मिले, हर कार्यों में सफलता मिले। बीमारियों से शरीर को कष्ट पहुंचे।

मकर:- कारोबार में वृद्धि हो, सफेद वस्तुओं के व्यापार से विशेष लाभ हो। शत्रुओं पर विजय मिले, शुभ कार्यों में रूचि बढ़ें। स्त्री तथा भाईयों से बिगाड़ हो। रोग द्वारा शरीर को कष्ट हो।

कुम्भ:- कार्य व्यवहार में निराशा हाथ लगे। धन की हानि हो, आशाओं में सफलता मिले, शत्रुओं की तरफ से चिन्ता बने, बुद्धि मलीन रहे। शुभ कार्यों में बाधा पड़े।

मीन:- व्यवसाय उत्तम रहे, धन की प्राप्ति हो, राज दरबार में सम्मान मिले, ओहदा बढ़े। सम्बन्धियों की तरफ से आदर व प्रेम का भाव हो। स्त्री का सुख प्राप्त हो, सम्पत्ति की वृद्धि हो।

अक्टूबर 2014 OCT.

वि.सं. 2071 आशि. शु. 7 से कार्ति. शु. 8

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
चौथ व्रत - 11 एकादशी - 4 पापाकुंशा, 19 रमा प्रदोष - 6, 21 संक्रान्ति - 17 तुला	पंचक 04 अक. को 29-13 से 09 अक. को 07-16 तक	दोष शुक्र तारा अस्त चन्द्र ग्रहण 8 अक्टुबर 14:50 से 18:10	**1** आ.शु.सप्तमी सरस्वती आवा.,दुर्गा पू.	**2** महाष्टमी अस्त्र शस्त्र पूजा	**3** महानवमी दशहरा,विजय १०,भद्रकाली	**4** दशमी ११ क्षय: हज्ज,पापांकुशा ११ स्मा.
5 द्वादशी बकरीद	**6** त्रयोदशी प्रदोष	**7** चतुर्दशी शरद् पूर्णि.,कोजागरी व्र.	**8** पूर्णिमा कार्तिक स्ना.प्रा.,चन्द्रग्रहण	**9** का.कृ.एकम् भूमी पूजा	**10** द्वितीया गुरू रामदास जं.(ना.)	**11** तृतीया करवा चौथ,चाँदोदय 8:28
12 चतुर्थी दशरथ ललिता व्रत	**13** पंचमी	**14** षष्ठी स्कन्द षष्ठी	**15** सप्तमी	**16** अहोई अष्टमी	**17** नवमी तुल संक्रान्ति पुण्य	**18** दशमी
19 एकादशी रमा	**20** द्वादशी गोवत्स द्वादशी	**21** धनतेरस बड़ादीवा, यमदीप	**22** रूप नरक चौदस कमला जं.,छोटी दीपावली	**23** अमावस दिपावली	**24** का.शु.एकम् गोर्वधन पूजा,अन्नकूट	**25** द्वितीया भय्या २,विश्वकर्मा पू.
26 तृतीया हिजरी सन् 1436 शुरू	**27** चतुर्थी दुर्वागणपति पूजा	**28** पंचमी सौभाग्य ५	**29** सूर्य छठ डाल छठ	**30** सप्तमी भानु ७	**31** गोपाष्टमी सरदार पटेल जयंती	स्टैंडर्ड टाइम ता. सूर्यउदय सूर्यअस्त 1 6:18 6:04 8 6:22 5:56 15 6:26 5:48 22 6:30 5:41 29 6:35 5:35

नवम्बर 2014 NOV.

वि. सं. 2071 कार्ति. शु. 9 से मार्ग. शु. 9

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30 नवमी कल्पादि:, नन्दिनी ९	चौथ व्रत - 10, 26 विनायकी एकाद. -3 देवप्रबोधिनी, 18 उत्पति प्रदोष - 4, 20 संक्रान्ति - 16 वृश्चिक	पंचक 01 नव. को 12-06 से 05 नव. को 16-58 तक 28 नव. को 17-30 से 02 दिस. को 24-23 तक	विवाह मुहूर्त्त तारिख 27, 28, दोष शुक्रास्त 24 नव. तक	स्टैंडर्ड टाइम ता. सूर्यउदय सूर्यअस्त 1 6:37 5:33 8 6:42 5:28 15 6:48 5:24 22 6:54 5:21 29 6:58 5:20		**1** का.शु. नवमी आवला-कूष्माण्ड ९
2 दशमी	**3** एकादशी तुलसी विवा.,देवउठान ११	**4** द्वादशी मुहर्रम ताजिये, प्रदोष	**5** १४ त्रयोदशी क्षय: वैकुण्ठ १४	**6** कार्तिक पूर्णिमा गुरू नानक जं.,गंगा स्ना.	**7** मा.कृ. एकम्	**8** द्वितीया
9 माधवी तृतीया सौभाग्य सुन्दरी व्रत	**10** चतुर्थी गणेश चतुर्थी	**11** पंचमी वीड ५, विषहरा पूजा	**12** षष्ठी	**13** सप्तमी	**14** सप्तमी महाकाल भैरवाष्टमी	**15** अष्टमी
16 नवमी वृश्चिक संक्रा.पुण्य	**17** दशमी	**18** एकादशी उत्पत्ति ११, वैतरणी व्रत	**19** द्वादशी संत ज्ञानेश्वर पु.,मूल १२	**20** त्रयोदशी प्रदोष	**21** चतुर्दशी बालाजी जं.,मे.पुरमण्डल	**22** अमावस शनिऽमावस
23 मा.शु. एकम् चन्द्र दर्शन	**24** द्वितीया	**25** तृतीया	**26** चतुर्थी गु. तेगबहादुर बलि.(ना.	**27** ६ विवाह पंचमी क्षय: चम्पा ६,नाग५,गु.तेगबहा.बलि.	**28** विष्णू सप्तमी नरसी मेहता जं.,भद्रा-७	**29** अष्टमी

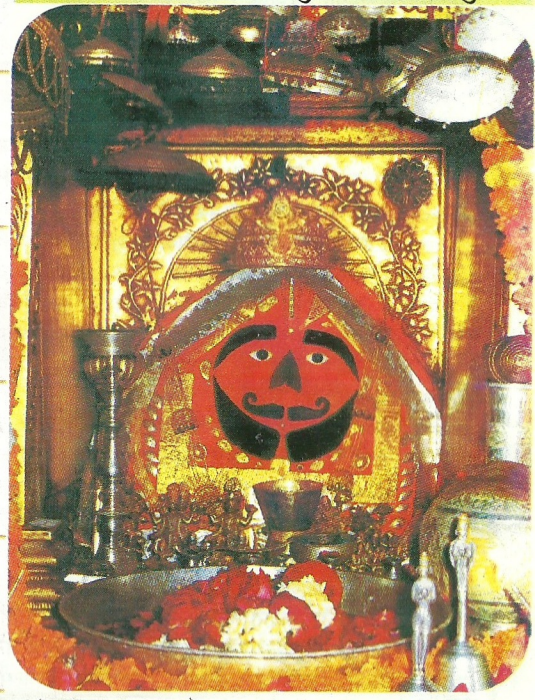

दिसम्बर 2014 DEC.

वि. सं. 2071 मार्ग. शु.10 से पौ. शु.11

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
चौथ व्र. - 10 एकादशी - 2 मोक्षदा, 18 सफला प्रदोष - 4, 19 संक्रान्ति - 16 धनु	1 मा.शु.दशमी	2 एकादशी मोक्षदा ११,गीता जयंती	3 द्वादशी अखण्ड १२	4 त्रयोदशी अनंङ्ग १३, प्रदोष व्रत	5 चतुर्दशी पिशाचमोचन श्राद्ध	6 पूर्णिमा अन्नपूर्णा-दत्तात्रेय जयंती
7 पौ.कृ.एकम्	8 द्वितीया	9 तृतीया	10 चतुर्थी	11 पंचमी	12 षष्ठी	13 सप्तमी चहैल्लम शहीद करबला
14 अष्टमी	15 अष्टमी	16 नवमी धनु संक्रान्ति	17 दशमी आखरी चहार शम्बा	18 एकादशी सकला	19 द्वादशी स्वरूप १२, प्रदोष	20 त्रयोदशी
21 चतुर्दशी सहादते ईमाम हसन	22 अमावस एकम् क्षय: वकुला ३०	23 पौ.शु.द्वितीया स्वा.श्राद्धानन्द जयंती	24 तृतीया	25 चतुर्थी क्रिसमस,पं.मालविय जं.	26 पंचमी	27 षष्ठी
28 सप्तमी गु. गोविन्द सिंह जयंती	29 अन्नपूर्णाष्टमी शांकम्भरी यात्रा प्रारम्भ	30 नवमी	31 दशमी	पंचक 28 नव. को 17-30 से 02 दिस. को 24-23 तक 25 दिस. को 23-49 से 30 दिस. को 05-55 तक	विवाह मुहूर्त्त तारिख 2, 3, 6 , 7, 15. दोष धनु संक्रान्ति 16 से 14/1/2015 तक	स्टैंडर्ड टाइम ता. सूर्यउदय सूर्यअस्त 1 7:00 5:20 8 7:05 5:20 15 7:09 5:22 22 7:14 5:25 29 7:17 5:28

राशिफल अक्टुबर 2014

मेषः- व्यापारिक कार्यों में उन्नति का योग है। धन का लाभ हो, राज दरबार में मान व पद की वृद्धि हो। आशाओं में सफलता मिले, शत्रु पराजित रहे मन में प्रसन्नता मिले ।

वृषः- कार्य व्यवहार मध्यम रहे, आय कम तथा व्यय अधिक रहे। झगड़े में सफलता मिले, राज की तरफ से भय बने, भाईयों में मतभेद उत्पन्न हो। मित्रों से बिगाड़ हो।

मिथुनः- व्यवसाय उत्तम रहे, धन का लाभ हो, राज दरबार में मान व ओहदा बढ़े, मनोकामना पूर्ण हो, धर्म कर्म की वृद्धि हो, शत्रु पराजित रहे, भाईयों में मिलाप हो। वाहन का आराम मिले, स्त्री का सुख मिले। माता पिता व सन्तान को रोग द्वारा कष्ट हो।

कर्कः- व्यवसाय में धन की प्राप्ति हो। परन्तु व्यय भी अधिक रहे। यात्रा लाभ दायक सिद्ध हो, स्त्री व सन्तान से सुख मिले, शत्रु उत्पन्न हो जायें किन्तु पराजित रहें। भाईयों से बिगाड़ हो।

सिहंः-कार्य व्यवहार मध्यम रहे, आय तथा व्यय सम रहे। राज दरबार से लाभ हो तथा पद में वृद्धि हो। सन्तान का सुख मिले। यात्रा करनी पड़े। परिवार में आपसी कहा सुनी चले।

कन्याः- कारोबार में धन की प्राप्ति हो। सफेद वस्तुओं के व्यापार से लाभ हो, राज सभा में मान तथा पदोन्नति हो, स्त्री से प्रेम बने, जमा पूँजी हो तो सुख मिले।

तुलाः-कारोबार मध्यम् रहे, आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे। राज दरबार में व सम्मान की प्राप्ति हो, चोरी व अग्नि से मन में भय बनें। शत्रुओं से हानि पहुचें। कोई संकट आन पड़े।

वृश्चिकः- कार्य व्यवहार मध्यम रहें। आय तथा व्यय सम रहे। झगड़े में विजय मिले, ओहदा में बढ़ोत्तरी हो, शत्रुओं से हानि पहुचे, अफसर की ओर से मन में चिन्ता बने।

धनुः- व्यवसाय में आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे। राज सभा में मान हो। कठिनाइयों पर विजय मिले। स्त्री सुख मिले। अफसर से भय बने। आशाओं में सफलता मिले।

मकरः- व्यवसाय मध्यम रहे, आय तथा व्यय सम रहें। सन्तान से झगड़ा हो, यात्रा सफल रहे। शरीर रोगी रहें। कोई बिगड़ा हुआ कार्य बन जावे। कठिनाइयों पर विजय मिले।

कुम्भः- कार्य व्यवहार की उन्नति हो। सफेद वस्तुओं के व्यापार से लाभ हो। आशाओं में सफलता मिले। विचारों में उदारता आवे, झगड़ें में विजय मिले। परिवार व मित्रों से बिगाड़ हो, स्त्री का सुख मिलें।

मीनः- कारोबार में आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे सफेद वस्तुओं का व्यापार लाभदायक सिद्ध हो, राज सभा में मान व ओहदा बढ़े। मनोकामना पूर्ण हो, सन्तान का सुख मिले।

राशिफल नवम्बर 2014

मेषः- व्यवसाय में धन का लाभ हो परन्तु खर्चा भी अधिक बना रहे। मित्रों एवम् परिवारजनों से प्रसन्नता हो, पद की उन्नति हो, धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़े। स्त्री का सुख मिले।

वृषः- व्यवसाय उत्तम रहे, धन का लाभ हो, सम्पत्ति की वृद्धि हो। राज दरबार में त्रास हो। चोरी तथा अग्नि द्वारा हानि पहुचें। किसी व्यक्ति से लडाई व झगड़ा करना पड़े।

मिथुनः- कारोबार की उन्नति हो, धन का लाभ हो, अचल सम्पत्ति की प्राप्ति हो। शत्रुओं पर विजय मिले, जनता की तरफ से मान-सम्मान मिले, स्त्री का सुख मिले, समबन्धयों से कोई हर्ष का संदेश मिले, भाईयों तथा मित्रों की तरफ से क्लेश उत्पन्न हो।

कर्कः-व्यवसाय उन्नत रहे, धन का लाभ हो। राज दरबार में मान बढ़े। आशाओं में सफलता बढ़े, शत्रुओं का नाश हो। झगड़ें में विजय प्राप्त हो। भाईयों से मिलाप हो। शरीर को कष्ट हो।

सिहंः-सेवा कार्यों में विघ्न बाधा आवे, धन का लाभ कम रहे। सम्बन्धयों की वृद्धि हो। किसी मित्र के साथ भेंट हो, स्त्री से झगड़ा बने, शत्रुओं का सामना करना पड़े, फिर शत्रुओं को मुहँ की खानी पड़े। संकट का समाधान बन जावे, यात्रा में लाभ हो।

कन्याः- व्यवसाय में बाधा पड़े, व्यय अधिक बना रहे, धन का नुकसान हो। मित्रों एवम् परिवार के आदमियों से झगड़ा बने, शत्रुओं से हानि उठानी पड़े। यात्रा में निराशा हाथ लगे।

तुलाः- व्यवसाय में उन्नति हो, धन की प्राप्ति हो, सफेद वस्तुओं के व्यापार से लाभ पहुंचे। राज दरबार में सम्मान व पद की वृद्धि हो, शत्रु पराजित हो। मित्रो से प्रसन्नता प्राप्त हो।

वृश्चिकः- व्यवसाय मध्यम रहे, आय तथा व्यय सम रहे। राज सभा में मान व पद की उन्नति हो, सन्तान का सुख प्राप्त हो, संबंधियों एवम् मित्रों से बिगाड़ उत्पन्न हो।

धनुः- कारोबार की वृद्धि हो, धन का लाभ हो, मित्रों से मिलाप हो व सुख के समाचार मिले। पद में उन्नति मिले, चोरी तथा अग्नि द्वारा हानि होने की आशंका रहे। शत्रुओं से क्लेश हो।

मकरः- कारोबार में धन का लाभ हो, आय पर्याप्त रहे। राजदरबार में मान तथा पदोन्नति हो। धार्मिक कार्यों में सुरूचि बढ़े। शत्रुओं का विनाश हो, सन्तान का सुख मिले।

कुम्भः- व्यवसाय में आय कम तथा व्यय अधिक रहे। धन का नुकसान हो, राज सभा में मान मिलें, मित्रों से मन मुटाव रहे। माता पिता व भाईयों से बिगाड़ उत्पन्न हो।

मीनः- व्यवसाय में आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहे, धन का नुकसान हो। यात्रा में जाने से लाभ पहुचे। राज की तरफ से भय बने, भाईयों से बिगाड़ उत्पन्न हो, मन को चिन्ता बनी रहे।

राशिफल दिसम्बर 2014

मेषः- कारोबार मध्यम रहे, आय तथा व्यय सम रहे, आशाओं में सफलता मिले, सम्बन्धियों से बिगाड़ हो। स्त्री से नाराजगी रहे। उदर व नेत्र में विकार के कारण शरीर बेचेन रहे।

वृषः- कार्य व्यवहार में आय कम तथा व्यय अधिक रहे, धन की हानि हो। सम्पत्ति की वृद्धि हो, सन्तान का सुख मिले, हर कार्यों में विघ्न एवम् कठिनाइयों का सामना करना पड़े, नेत्र विकार, सिर पीड़ा व रक्त विकार से शरीर को कष्ट हो।

मिथुनः- कार्य व्यवहार उत्तम रहे, धन की वृद्धि हो। आशाओं में निराशा हाथ लगे। शत्रुओं से क्लेश उत्पन्न हो, स्त्री एवम् सन्तान से नाराजगी चले। पारिवारिक विषयों में झगड़ा रहे।

कर्कः-कारोबार में आय कम तथा व्यय अधिक रहे, धन का नुकसान हो, आशाओं में सफलता हाथ लगे। किसी पुराने मित्र से संगम हो, माता पिता से सम्बन्ध सुधर जावें।

सिहंः-कारोबार की उन्नति हो, कृषि के कार्यों में विशेष लाभ अर्जित हो। आशाओं में सफलता मिले। स्त्री एवम् सन्तान का सुख मिले। मित्रों से सहायता मिले, मान प्रतिष्ठा में वृद्धि हो।

कन्याः- कारोबार में आय कम तथा खर्चा ज्यादा बना रहे धन की हानि हो। राज दरबार में मान बढ़े, मनोकामना पूर्ण हो। शत्रु नुकसान पहुंचावें, स्त्री का सुख कम मिले।

तुलाः- कारोबार की वृद्धि हो। धन की प्राप्ति हो। राज सभा में भी लाभ मिले, पद में उन्नति हो, आशाओं में सफलता मिले। धार्मिक कार्यों में रूचि अधिक रहे। परिवार में किसी जमीन पर झगड़ा चले। पित्त जन्य रोगों द्वारा शरीर को कष्ट पहुचे।

वृश्चिकः- कार्य व्यवहार में आय कम हो तथा व्यय अधिक रहे। धन का नाश हो, मन चिन्ताग्रस्त रहे, यात्रा करनी पड़े। राज दरबार की ओर से भय बने। रिश्तेदारों से बिगाड़ उत्पन्न हो।

धनुः- कार्य व्यवहार में लाभ हो किन्तु खर्चा अधिक बना रहे। शत्रु पराजित हो, झगड़े में विजय मिले, आशाओं में सफलता मिले। मित्रों व भाईयों से बिगाड़ उत्पन्न हो, मन शोकातुर रहे।

मकरः- कार्य व्यवहार में उन्नति अच्छी मिले, धन का विशेष लाभ हो, अचल सम्पत्ति भी हासिल हो। शत्रुओं का विनाश हो। वाहन आदि का आराम मिले। स्त्री, सन्तान का सुख प्राप्त हो।

कुम्भः- कार्य व्यवहार की वृद्धि हो, धन का लाभ हो परन्तु खर्च भी अधिक बना रहे। आशाओं में सफलता मिले। मित्रों से मिलाप हो। शत्रुओं की तरफ से चिन्ता बने।

मीनः- कारोबार मध्यम् रहे, आस तथा व्यय सम रहे शत्रुओं का नाश हो, यात्रा करनी पड़े। धर्म संबंधी कार्यों में विमुखता रहे। नेत्र पीड़ा, रक्त विकार व पित्त आदि रोगों से शरीर को कष्ट हो।